

प्रतापगढ़ संदेश

हनुमान मंदिर चिलबिला में बड़े धूमधाम से मनाया गया राम जन्मोत्सव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव के समय भक्तों ने श्री हनुमान मंदिर चिलबिला तालाब पर हर वर्ष की भवित्वा इस वर्ष भी भव्य श्री राम जन्मोत्सव मनाया गया।

पूरे मंदिर को फूल माला और विहृत झालारें से सजाया गया था। सुबह से ही भक्त पूजन अर्चन कर रहे थे। सुबह 9 बजे सुंदरकांड का पाठ शुरू हुआ। 12 बजे प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव भव्य तरीके से मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष रामगोपाल व महासचिव रोशनलाल उमरवैश्य ने भगवन

के जन्मोत्सव के पश्चात भगवन का पूजन अर्चन कर आरती उतारी। महिलाओं ने मंगल गीत व सोहर गाकर प्रभु राम का जन्म दिवस मनाया।

प्रभु श्री राम भगवन, माता

जी, हनुमान जी महाराज से

प्रार्थना की कि प्रभु अपने भक्तों का कष्ट हरते रहें। विश्व का कल्याण करें हम सब भक्तों को इसी प्रकार अपने चरण शरण में लगाएं रखें यही कामना है। इस अवसर पर मंदिर समिति के संरक्षक, कपिलदेव, बजरंग लाल, सुरज उमरवैश्य, राकेश कुमार, अदर्श कुमार, लालजी, बबलू, छेदीलाल, सूरज कुमार,

विहिप ने निकाली रामरथ के साथ शोभा यात्रा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विश्व हिन्दू परिषद् कार्यक्रमों द्वारा आयोजित रामोत्सव के उपलक्ष्य में प्रखण्ड सड़वा चंद्रिका धाम से बाबूगंज नगर में गाजा बाजा डाँवे रामरथ के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

उक्त कार्यक्रम में विभाग मंत्री श्री राम भगवन जी निनीश

तिवारी, विधाय संयोजक नवीन बजरंगी, शोभा यात्रा में शामिल विहिप पदाधिकारी।

जिला मंत्री राजन, जिला सह संयोजक दीपक द्वे, अंकित सरोज, राधे मोहन, प्रखण्ड अध्यक्ष रामदेव शर्मा, हिन्दू युवा वाहिनी जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह, हिन्दू महासचिव अनुज सिंह, प्रखण्ड उपाध्यक्ष सुनील, गोर रक्षा प्रमुख मोनू पांडेय, रोहित, मोनू आदि लोग उपस्थित रहे।

अजय, संतोष कुमार, सोनू, माली, देवानंद, प्रमोद उमरवैश्य, आदि सैकड़ों की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

अजय, संतोष कुमार, सोनू, माली, देवानंद, प्रमोद उमरवैश्य, प्रशांत पांडे, विष्णुकांत मिश्र

सनी, आशीष कुमार, सुरेश, आदि सैकड़ों की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

लालगंज, प्रतापगढ़। विहिप ने निकाली रामरथ के साथ शोभा यात्रा



नमाज में विवाद के दौरान कुल्हाड़ी से किशोर की हत्या, आक्रोश

हमलावर के घर हुई तोड़फोड़ व आगजनी, पुलिस ने संभाला मोर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के कारीपुर गांव में बुधवार रात नमाज पढ़ने को लेकर हुए विवाद में एक किशोर की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई। घटना रात करीब साढ़े नींबू बजे की है। घटना की सूचना मिलते ही आक्रोश फैल गया। गांव वालों ने हमलावर के घर भी धावा बोल दिया। उसके घर में भी तोड़फोड़ व आगजनी की गई है। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और

किसी तरह मामले को शांत कराया। घटना के बारे में बताया जाता है कि उक्त गांव निवासी कासिम का बेटा तालिब (17) गांव के कुछ लोगों के साथ रात में नमाज पढ़ने में गया था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और गांव के लोग उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज ले आए। यहां से

प्रयागराज रेफर किया गया लेकिन

उसकी मौत हो गई थी। जानकारी

मिलने पर पुलिस कांडीरू गांव

पहुंची। आरपित घर से फरार हो गए थे। शहर कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नमाज के था। वहां उनके बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्ष में कहानी बढ़ गई। इस दौरान लोगों ने तालिब को कुल्हाड़ी से म

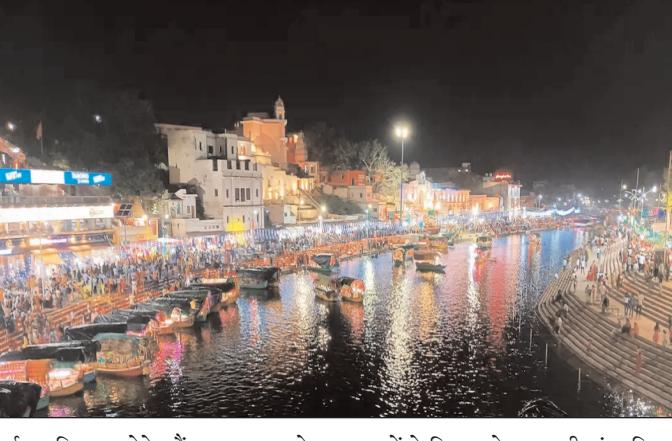
नवमी पूजन के बाद धूमधाम से मनाया श्रीराम जन्मोत्सव

हवन पूजन के बाद मनाई गयी रामनवमी-मन्दिरों में कराया गया कन्या भोज

अखंड भारत संदेश
चित्रकृष्ण। बदलते जमाने के चलते जिले में चैत्र नवरात्रि पर नौ दिनों के ताक मां दुर्गा की श्रद्धापूर्वक पूजन-अचरण के बाद साक्षी संस्कृति के तहत रामनवमी पर्व पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया। नौ दिनों तक जगह-जगह कन्याओं को भोजन कराया। देवी-मन्दिरों में महिलाओं ने नेवज चढ़ाकर रामनवमी पर्व मनाया। श्रद्धालु जवारों के लिए वाले अर्चन की वीच कई स्थानों पर खुप्रे नजर आए। तीर्थ क्षेत्र पूरी तरह से रमण्य नजर आ रहा था। रामनवमी पर्व भूमिलाय में भव्य जुलूस निकला गया।

गुरुवार को जिले में चैत्र नवरात्रि पर विभिन्न देवी-मन्दिरों में खासी धूमधाम रही। सवेरे से लोगों ने कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोज कराकर वथा उचित दीक्षण देकर खुद को धन्य किया। सवेरे-

शाम मन्दिरों में श्रद्धालुओं की पूजन-अचरण की भारी भीड़ उमड़ती रही। इस दर्जन परम्परागत हंगा से चैत्र नवरात्रि मनाने वाले श्रद्धालुओं ने अपने घरों में जवारों बोए थे। आज जवारों को लेकर श्रद्धालु देवी-मन्दिरों में जाकर परमात्मा करुणों वाले देवी-गीत हालांकि अब नई पीढ़ी के लोगों की समझ से पैरे हैं। बावजूद इसके अभी भी जिले में अहिरन मोहल्ला व भोरोपाला तथा बानाड़ी गाँव समेत तमाम गाँवों में गरीब तबके की बसियों में इन गीतों का अरथाना में इन गीतों को गाने वाले श्रद्धालु इस कर मर रहे हैं। किंवदं वह अपनी सुध-बृद्ध खोकर पूरी तरह से देवी भक्ति में लौन दिखते हैं। इन्हें देखने को आस-पास के लोग ही नहीं, बल्कि पास-पास के ग्रामीण भी इनके इस पर्व पर उत्साह



पूर्वक हिस्सा लेते हैं। सम्पन्न लोग वयोर्चित प्रसाद चढ़ाकर खुद को धूम समझते हैं। इस बार परम्परा से हटकर रामनवमी पर्व में भारी तादाद में मुस्लिम

भाइयों ने हिस्सा लेकर साझी संस्कृति का परिचय दिया है। भगवान राम ने मयार्दा के तहत समता मूलक समाज की संरचना की असावर माता के मन्दिरों में रामनवमी श्रद्धालु व महिलाओं के पूजन-अचरण करने में खासा विलम्ब हुआ। जलदबाजी में मन्दिर का एण्डा पूजन समाझी लोगों को अदल-बदल कर देता रहा, लेकिन किसी ने इसका प्रतिवाद नहीं किया।

रहकर लड़ते रहे हैं। सभी लोगों को राम के आदर्शों का अनुसरण कर अपना जीवन धन्य बनाना चाहिए। आदर्श काम करने वाले प्रत्येक महान व्यक्ति को सौ वर्ष बाल लोग भगवान का स्वरूप मान लेते हैं। इस पावन पर्व पर सभी लोग भ्रात्याचार समाप्त करने का संकल्प लें। यहां जिला मुख्यालय में पुरानी बाजार स्थित काली देवी मन्दिर में आज देवी भक्तों की ऐसी भीड़ उमड़ी कि लोगों को देवी के दर्शन करने को घाटों लाइन लगानी पड़ी। तो वह को ज्ञानघण्डी देवी व बन्धौइन की काली देवी तथा लालापुर की असावर माता के मन्दिरों में रामनवमी श्रद्धालु व महिलाओं के पूजन-अचरण करने में खासा विलम्ब हुआ। जलदबाजी में मन्दिर का एण्डा पूजन समाझी लोगों को अदल-बदल कर देता रहा, लेकिन किसी ने इसका प्रतिवाद नहीं किया।

चित्रकृष्ण। भगवान राम की तपच्छली पर रामनवमी की धूम रही। तीर्थ क्षेत्र के मठ-मन्दिरों की आकर्षक सजावट की गई। सरकरे से भगवान राम के जन्मोत्सव मनाने की तैयारियां होती रहीं। फलाली व यक्काबांगों को परोसा गया। जैसे ही घंटी में 12 बजे की घटी सुनायी पड़ी। वैसे ही पूरे क्षेत्र में घेरे प्रकट कृपाला दीवालयाला, कौशिल्या हितकारी की आवाज गूंज उठी। भक्तों एक-दूसरे को भगवान राम के जन्मोत्सव की बधाई देने लगे। मन्दिरों में घाटे घटियाल के साथ भक्तों को आज देवी भक्तों की ऐसी भीड़ उमड़ी थी। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में रहकर किया है। उन्होंने पिता वा मां की आजां का पालन करने में कार्ड चक नहीं की। 14 वर्ष तक माता-पिता में भण्डारे चलते रहे। रामगांव से छोटी परिक्रमा करने को राम दल निकला। निर्मोही अखाड़ा से हाथी-घोड़ा पालक के बैंडजबांगों के साथ भगवान राम की ओर यात्रा परिक्रमा पर भक्तों ने रोककर स्वामी का उपरांत किया। भक्तों ने दोपहर 12 बजे से रामनवमी पर रातभर भजन-कीर्तन गये। जानकीकुण्ड स्थित कांच मन्दिर में जगदगृह रामभद्राचार्य ने भक्तों को राम के चरित्र एवं कृतिवर्ग पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राम ने हर कार्य मयादी में

